



Abhishek



Niharika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121327201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121327201

Date: 19/02/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
12-13/08/1996 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 17-18/07/1995  
सोम-मंगलवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : सोम-मंगलवार  
घंटे 04:15:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 04:58:00 घंटे  
घटी 57:11:22 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 59:30:18 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Jahanabad : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Gaya  
25:13:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 24:48:00 उत्तर  
84:59:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 85:00:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे 00:09:56 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:10:00 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
05:22:27 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 05:10:38  
18:27:11 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:41:13  
23:48:40 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:47:51  
कर्क : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : मिथुन  
चन्द्र : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : बुध  
कर्क : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : मीन  
चन्द्र : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : गुरु  
पुष्य : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : उ०भाद्रपद  
शनि : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : शनि  
3 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 4  
व्यतिपात : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : अतिगण्ड  
शकुनि : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : विष्टि  
हो-होशियार : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : अ--  
सिंह : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : कर्क  
विप्र : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : विप्र  
जलचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : जलचर  
मेष : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : गौ  
देव : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : मनुष्य  
मध्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : मध्य  
मेष : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : सिंह

**MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA**

Gayatri nagar near G L A college daltonganj

Palamu jharkhand (822102)

Call-6201143328 what's-7061110945

pt.raviranjnprabhu108@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी  
शनि 7वर्ष 0मा 0दि  
केतु

13/08/2020

14/08/2027

केतु	09/01/2021
शुक्र	11/03/2022
सूर्य	17/07/2022
चन्द्र	15/02/2023
मंगल	14/07/2023
राहु	01/08/2024
गुरु	08/07/2025
शनि	17/08/2026
बुध	14/08/2027

अंश

11:05:08
26:39:48
11:45:13
18:17:01
22:32:50
14:44:23
11:08:38
13:04:07
15:14:35
15:14:35
08:03:58
01:53:53
06:31:28

राशि

कर्क
कर्क
कर्क
मिथु
सिंह
धनु व
मिथु
मीन व
कन्या व
मीन व
मक व
मक व
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

मिथु
कर्क
मीन
कन्या
मिथु
वृश्चि
मिथु
मीन
तुला
मेष
मक
मक
वृश्चि

अंश

27:25:44
01:06:40
13:49:30
04:12:11
19:35:00
12:06:38
21:45:29
00:50:32
07:49:30
07:49:30
04:50:54
00:20:39
04:08:46

विंशोत्तरी  
शनि 4वर्ष 0मा 18दि  
शुक्र

05/08/2023

05/08/2043

शुक्र	04/12/2026
सूर्य	05/12/2027
चन्द्र	04/08/2029
मंगल	04/10/2030
राहु	04/10/2033
गुरु	04/06/2036
शनि	05/08/2039
बुध	05/06/2042
केतु	05/08/2043

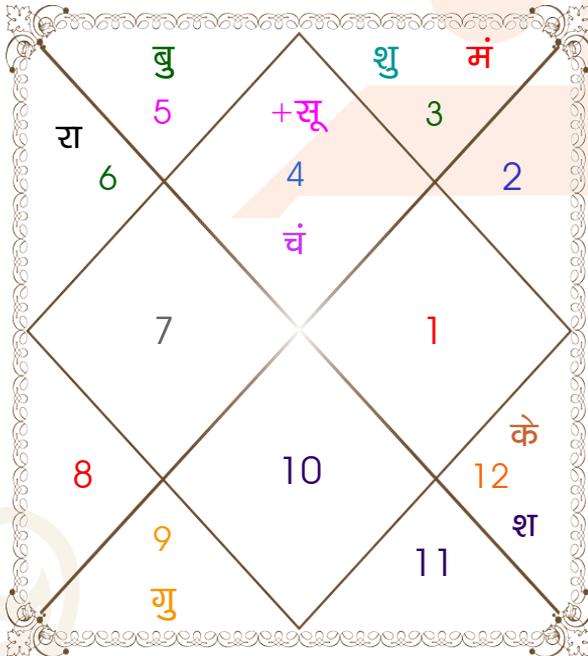
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

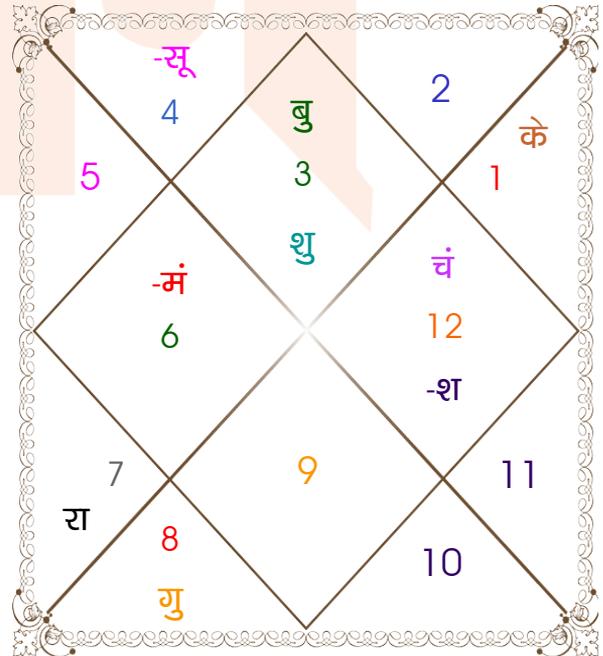
राहु : स्पष्ट

23:48:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:51

लग्न-चलित



लग्न-चलित



MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA

Gayatri nagar near G L A college daltonganj

Palamu jharkhand (822102)

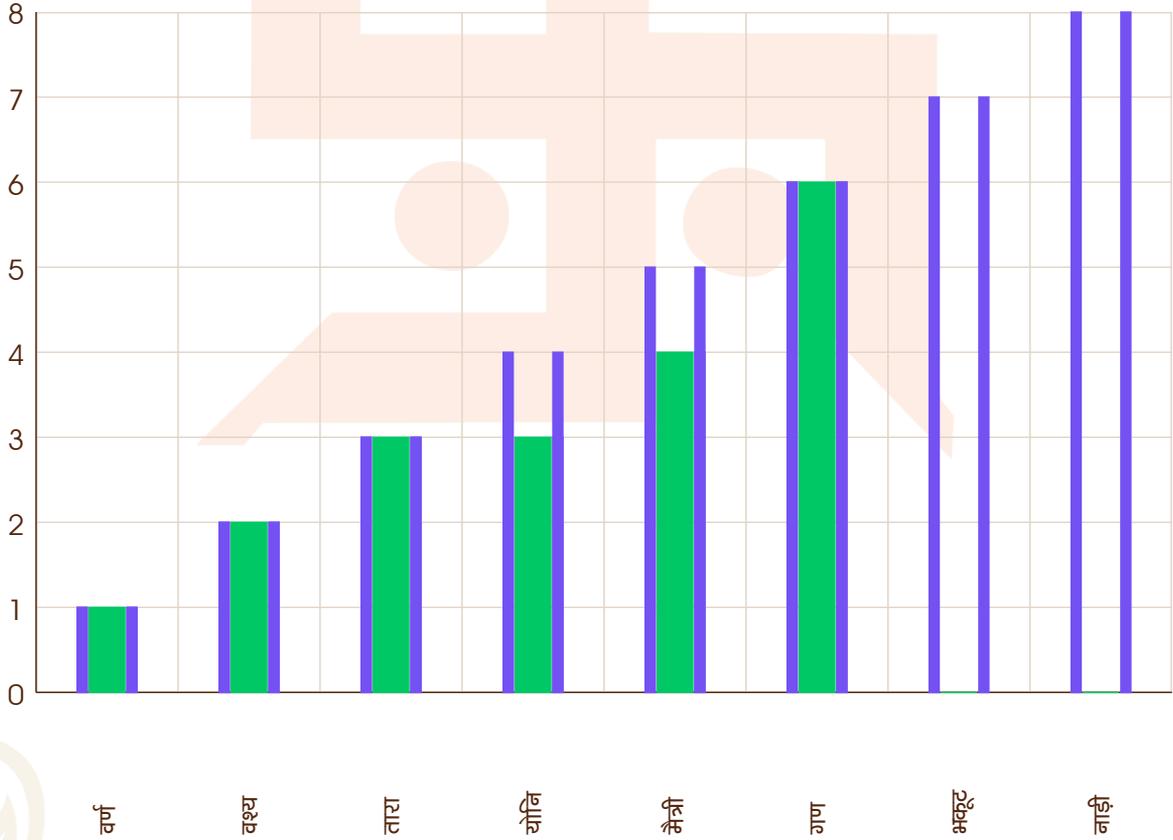
Call-6201143328 what's-7061110945

pt.raviranjnprabhu108@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>19.00</b>		

कुल : 19 / 36



### MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA

Gayatri nagar near G L A college daltonganj

Palamu jharkhand (822102)

Call-6201143328 what's-7061110945

pt.ravirajanprabhu108@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि |इपीमा का नक्षत्र पुष्य है।

|इपीमा का वर्ग मेष है तथा छपीतपां का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार |इपीमा और छपीतपां का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

|इपीमा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल |इपीमा कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपीतपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु |इपीमा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

|इपीमा तथा छपीतपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

इड़ीपीमा का वर्ण ब्राह्मण तथा छर्पीतपां का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदरें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

### वश्य

इड़ीपीमा का वश्य जलचर है एवं छर्पीतपां का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

### तारा

इड़ीपीमा की तारा जन्म तथा छर्पीतपां की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

### योनि

इड़ीपीमा की योनि मेष है तथा छर्पीतपां की योनि गौ है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में |इपीमा का राशि स्वामी छपीतपां के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि छपीतपां का राशिस्वामी |इपीमा के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

|इपीमा का गण देव तथा छपीतपां का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु छपीतपां अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

### भकूट

|इपीमा से छपीतपां की राशि नवम भाव में स्थित है तथा छपीतपां से |इपीमा की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। |इपीमा की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

### नाड़ी

|इपीमा की नाड़ी मध्य है तथा छपीतपां की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में |इपीमा एवं छपीतपां का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

ईपीमा की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा छपीतपां की राशि भी जलतत्व युक्त राशि मीन है। नैसर्गिक रूप से जलतत्व की जलतत्व से समानता एवं मित्रता होती है। अतः ईपीमा और छपीतपां के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

ईपीमा की जन्मराशि का स्वामी चन्द्रमा तथा छपीतपां की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र एवं समराशियों में स्थित हैं। वैवाहिक जीवन की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए यह स्थिति अच्छी मानी जाती है। इसके प्रभाव से ईपीमा और छपीतपां एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही ईपीमा और छपीतपां का परस्पर आकर्षण लगाव एवं सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा एवं सम्मान जनक ढंग से एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी।

ईपीमा और छपीतपां की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से ईपीमा और छपीतपां के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। तथा यदा कदा अंकार के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। इससे सुखी वैवाहिक जीवन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः ईपीमा और छपीतपां को चाहिए कि उपरोक्त दुष्प्रभावों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तभी दाम्पत्य जीवन की समृद्धि एवं शांति में वृद्धि हो सकती है।

ईपीमा और छपीतपां दोनों का वश्य जलचर है। अतः दोनों की अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी सामंजस्य बना रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करके शांति पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

ईपीमा और छपीतपां दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की रुचि शैक्षणिक एवं धार्मिकता के प्रति रहेगी तथा उत्साह एवं इच्छापूर्वक अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे।

## धन

ईपीमा और छपीतपां दोनों जनम तारा में उत्पन्न हुए हैं। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सम भकूट होने के कारण आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु ईपीमा के लिए मंगल अशुभ होने के कारण किंचित असुविधा वे आर्थिक क्षेत्र में आलस्य के कारण प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु उचित मात्रा में लाभ होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

इडीपीमा और छपीतपां दोनों को पैतृक सम्पति की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी जिससे आर्थिक सम्पन्नता भी रहेगी एवं धनऐश्वर्य तथा वैभव से युक्त होंगे। यदा कदा इडीपीमा की प्रवृत्ति अनावश्यक व्यय करने की होगी लेकिन उससे उनकी धनसम्पन्नता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

### स्वास्थ्य

इडीपीमा और छपीतपां एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से इडीपीमा और छपीतपां असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

### संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से इडीपीमा और छपीतपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति छपीतपां के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः छपीतपां को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

इडीपीमा और छपीतपां बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः इडीपीमा और छपीतपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

छपीतपां के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। छपीतपां भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा छपीतपां भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का छपीतपां को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

## ससुराल-श्री

इडीपीमा के अपने सास ससुर से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धान्तिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि इडीपीमा तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृत्ति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से इडीपीमा के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।